केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

सं. कोर/जी/पी.आर./010 **प्रेस विज्ञप्ति** दिनांक 04.10.2021

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, के 100% विद्युतीकरण की दिशा में बढ़ते कदम

भारतीय रेलवे दिसंबर 2023 तक पूर्ण विद्युतीकरण के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी दिशा में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज की लखनऊ परियोजना द्वारा आनन्द नगर से नवतनवा (110RKM) एवं बिरला नगर से उदीमोड नई विद्युत कर्षण लाइन युक्त रेल खण्ड, का कुशलता पूर्वक सीआरएस निरीक्षण सम्पन्न हो गया है।

केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज के लखनऊ परियोजना के अन्तर्गत आनन्द नगर – नवतनवा (110 RKM) खण्ड में, जो कि पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में आता है, मुख्य संरक्षा आयुक्त द्वारा 110 किलोमीटर प्रति घंटा की अनुमन्य गति से निरीक्षण किया गया एवं इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से खण्ड पर निर्धारित मानकों के अनुसार किये गये कार्यों को परखा गया। इस खण्ड के विद्युतीकरण का कार्य पूरा होने में लगभग रुपये 32 करोड़ कि लागत आई है। इस खण्ड के विद्युतीकृत होने से गोरखपुर से नवतनवा तक जाने वाली गाड़ियों को इंजन बदलने के झंझट से भी मुक्ति मिलेगी, जिससे लुंबनी (नेपाल) जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी। नवतनवा स्टेशन तक इलेक्ट्रिक इंजन वाली ट्रेनों के चलने से नेपाल को निर्यात किये जाने वाले आटोमोबाइल्स व अन्य सामानों की ढुलाई आसान हो जायेगी। ऐसी सम्भावना है कि इस खण्ड पर चलने वाली गाड़ियाँ 05105 छपरा – नवतनवा इंटरसिटी स्पेशल, 08201/08205 दुर्ग – नवतनवा एक्स्प्रेस तथा 05377 गोरखपुर – नवतनवा एक्स्प्रेस अब से विद्युत कर्षण पर चलेंगी।

केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज के लखनऊ परियोजना के ही अन्तर्गत एक अन्य मार्ग बिरला नगर- उदीमोड (101 RKM) जो कि उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मण्डल में आता है, का विद्युतीकरण भी कोर द्वारा कुछ दिनों पूर्व सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया गया। इस खण्ड के विद्युतीकृत होने में लगभग 95 करोड़ रूपये की लागत आयी है। इस खण्ड के विद्युतीकृत हो जाने से ग्वालियर से इटावा वाया कानपुर जाने वाली रेल गाडियाँ विद्युत इंजन द्वारा निर्वाध रूप से संचालित हो सकेंगी। गाड़ी संख्या 01881 झाँसी – इटावा एक्स्प्रेस, 01887 ग्वालियर – इटावा अनारक्षित विशेष गाड़ी, 02125 रतलाम-ग्वालियर-भिण्ड तथा 05046 ओखा – गोरखपुर फेस्टेवल स्पेशल गाडियाँ विद्युत कर्षण पर चल सकेंगी। इसके अलावा गुना स्टेशन से आगरा स्टेशन तक जाने वाली माल गाडियाँ ग्वालियर-भिण्ड खण्ड पर भी चलायी जा सकती है। इस प्रकार उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मण्डल में मात्र खजुराहो से उदयपुरा के मध्य शेष रह गया है, जिसके इस वित्तीय वर्ष के अन्त तक सम्पन्न होने की सम्भावना है। ज्ञात हो कि विद्युतीकृत ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल होती है, इसके इस्तेमाल से कार्बन के उत्सर्जन में कमी आती है जो कि पर्यावरण के लिए लाभप्रद है। डीजल की खरीद में लगाने वाली विदेशी मुद्रा की बचत भी होती है।

मिशन मोड पर कार्य करते हुए केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज, भारतीय अर्थ व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है जिससे देश के आर्थिक विकास में गति मिल रही है।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जन संपर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज